



天

दिव्यत्रयि सुवर्णीयसाम्
वसुधावित्रवैकुण्ठश्रीक
थानागवस्था रुद्रिवत्सवा
ह्मश्रीवृद्धीवर्द्धनि ॥ विद्या

ब्रह्मवत्सलप्रदावंशुधरिः
 निवन्वा ॥ १ ॥ वनिष्कवनि ॥ १
 ॥ अहोपायमिनादवी ॥ यु ॥ दि
 ॥ ब्रह्मसिवांगु ॥ आ ॥ ना ॥ स

वं कुमाकुमा न वृत्तिना वृत्तिद वीविद्यादा न स्वद वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना
 सर्वां वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना
 काद वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना
 मा वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना
 नि वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना वृत्तिना

॥ श्री ॥ सिधिवत्सपदा ॥ यानयं न्यमाहात्म्यम् ॥ श्रीजिनाजिनविक्रमा ॥ ऊगदे कहिनायूका
 संयमा नावनिगुहा ॥ ऊमियावमिनादविशीलनीयानव्यायिनि ॥ वां ऊनियम
 आविव ॥ यममासनमासनी ॥ शुधवृथिमहाकं ऊरुमवधं पताकवि ॥ विंताम २
 निधविदविपुहायूककव्यायिनि ॥ निधनकं नमावृक्षधं न्यागवधनधिया ॥ ने ॥ दि ॥
 वारुकं माहाश्रीदि दिव्याहवधधिनि ॥ मानवि सर्ववृक्षनां वत्तधनं स्ववत्

वी ॥ सून्यमाहाविनिदवितावांताववि वरुं नि ॥ वेन्ययकिविन नाचधदिधिनि
 ऊमरुं नि ॥ रिदनि सर्वमायातां सफपातालकाहनिवा ऊनीवदमा नाचगु
 कदाजगु कवासिनिमवखकिवि साजाकिचरुवधं विहायिनि ॥ वधगानि
 नही वंमावजिनिधर्मवविनिकर्मवत्तरीविशाविसहाहाहममुलीवा
 धनि सर्वमात्मानां वाधं गकन ॥ गयविधं न्यादिमूकि संयन्न शूठ योदयहावि

॥ स्व ॥ वसुधा वा नाम धाव निर्ययि
दि ॥ ॥ ॐ नमो ह गवः
॥ ॥ ॐ वं मया धूमक
ऊष्विह वनि सम ॥ सर्व
वज्र कोध ह य वज्र ह यः

समाधि ॥ ॐ ॥ न धर्माया
न आयव रु वि दान नाथ
सिद्ध सम य ह गवान् ॥ व ४
स नी वे व रु स य म वि दाय ॥ म ॥
द ला व न स्म ॥ मृ क यः

मृ क यं स मृ ह रु धि नं सर्व ना य नि ह नं ॥ सर्वा मा य दानि का सर्व मृ य वि दाय न
क नं ॥ सर्व स ल सा द न क नं ॥ सर्व वि या कु द न क नं ॥ सर्व वि या स ल न क नं
सर्व क र्मा वि धे स न क नं ॥ य व क र्म वि धे स न क नं ॥ सर्व गृ ह सा द न क नं ॥ सर्व
गृ ह वि मा च न क नं ॥ सर्व रू ना य क नं ॥ सर्व वि या म क क र्म य ना य नं ॥ आ सि धा
ना सि ध क नं ॥ सि धा ना का यि ना स न क नं ॥ सर्व क र्म य द स र्वा ना व ज्र न क नं ॥ स

॥ स ॥ तिकं यदिकं सर्वसत्त्वानां सत्त्वं न कवं सर्वसत्त्वानां माह न कवं ॥ ॐ मा मरु मवल
वृक्ष नूमा हा वया य ऊ व ऊ पा नियु त्वा हा य न स्म ॥ ॐ नमः ॥ व ल ज या य ॥ न य
॥ ॐ न २ क न य २ स्त न २ स्त न य २ घ न २ घ ना य य २ सर्वसत्त्वानां ॥ वाधय ॥
२ सं वाध य २ कु म २ का म य २ कु म २ का म य २ सर्वरु ना नि कूट २ सं कु न य २ स ॥ म ॥
व स कु न य न २ सं य न य २ सर्वविद्या व ऊ स्त न य २ व ऊ क न २ व ऊ म न २ व

ऊ व जा दि हा म नी ल व ऊ म व जा य स्वा हा ॥ ॐ रुं रुं रुं म स्त ल घू न रु ल नि रु ल
कू व २ व ऊ वि ऊ या य स्वा हा ॥ ॐ व ऊ कि लि कि ला य स्वा हा ॥ ॐ क न २ म न २ व न २
मा न न य मा न ना य स्वा हा ॥ ॐ व ल २ नि व ल २ रु न २ म व २ मा व य २ व ऊ वि रा व ना
य स्वा हा ॥ ॐ दि द २ रि द २ मा हा व ऊ कि लि कि ला य स्वा हा ॥ ॐ व ध २ की ध म हा
कि लि कि ला य स्वा हा ॥ ॐ ह व २ व ऊ ध वा य स्वा हा ॥ ॐ य ह व २ व ऊ य ह व ना य

॥ स्व ॥ स्वाहा ॥ उं मनिस्थिवज्ज मनिस्थिवज्ज माहावज्ज मनिस्थिवज्ज यहुनिस्थिवज्ज
वजाय स्वाहा ॥ उं धव २ धिदि २ धू २ सर्ववज्ज कुबू मावर्नय स्वाहा मम २ सर्वमकु मा
वय २ रुं रुट स्वाहा ॥ उं नम २ ममं न वजा मां सर्ववल् मावर्नय माहावलवर्नक
न ॥ म्रवर्मदल माय म्रनिवज्ज माहाविमल ॥ म्रजिन कल ॥ टिटिटिटिटिचिंगल ॥ म ॥
न ॥ वनिनिमहावल ॥ वजां कु सहा लाय स्वाहा ॥ उं नमावल्लज याय ॥ नम २ वधु

वज्जयानय महायज्ज स्याय नय ॥ उं हव २ धज्ज मध २ वज्ज धव २ वज्ज हव २ वज्ज
यव २ वज्ज धव २ वज्ज धव २ य २ धज्ज दाव २ वज्ज दिव २ वज्ज रुं रुट ॥ नम
२ वं उ वज्जयानय महाकाधाय कुबू २ निव २ वध २ रु न २ म्रमृन रुं रुट ॥ रु
दय मूलमं २ ॥ सर्वपायज्ज यहु स्वा सर्व २ २ धविनाम न मना नि सर्वम
जा मां सर्वधी ममलं रु न उ य मां न दि या रु स्वा न म्र य य हु नाय य ल नि ल

॥ स्व ॥ विविशस्तुववनिश्चयवामूखा कानाप्रियजनरस्तुकुंडवधुडयडवानाम
स्वयंसमर्थनांरुयावसनमेवच ग्रह नजकु विडावा कार्त्तदादा नूनागु
हा यायेक यश्चन स्वप्रसकायामसमृद्धि नं ॥ नवसस्ता न स विनास्तानवसुक्त
मुरुमं ॥ गृ नो कुम ॥ उ सुकुंगामि वं वृषागा वं य सनविक्त समना ॥ सुवि ॥ म ॥
वक्तु वलं क नानव सर्वचर स्तामा उ यमगं सुदा नूना न जासि वयु साम्परा

समस्तसर्वमाप्नुनाश्रयश्चवर्धनं पुन्यपापसर्वपाप ॥ विमात्रिकं मन्त्रिसर्षयदूर्वाति
वननाकु न सर्वदने व कुशंधिन ॥ पृथेधुडवमापूर्य को ननाय न कु वरु नं वा
यिसुविवस्तुनवासिनं ॥ एकविंसमिवावावा वावानस्तानवसमं ॥ ऊपकु वरु
विदावनमनुक्ताययस्माधिव ॥ सदायवंपुनादिनाकुरु न न ॥ मययंभुतं ॥ ००
दमवाचनरु गवानारु मनास्तु वरु पात्रिक ग वं क लाधिन म न संद निमि ॥

॥ सं ॥

ॐ नमो श्री गुरुभ्यो नमः
ममाय ४ ॥ ॥ उधर्मा
गवतः श्रार्थ गनपतिरु
धुनं भक्तस्मिन्मय न गवा
युधकून पर्वत मरु नारि रु

वनरुदय मन्त्राध्यात्मि
नारि ॥ ॥ उधर्मा
दयाये ॥ ॥ उधर्मा
न नारु गुरुभिरु नारि ॥ ग ॥
मैधनमार्थमर्थकथादस

हिरिं रु सनं सनरु लेधवाधिमल महसु स ननखनय नमय नरु गवा न
युष्मन्मानंदमा संकु यनं स्म ॥ य कश्चि क्लृप्तयु न आनंद वृ मा निग नपनि
रुदयानि ॥ ॥ धा धिययानि वधयिष्यनि यय नार्ययानि ॥ एव नै धिययानि नम ससर्व
कार्यानि सि कनि रु विषयानि ॥ न यथा ॥ ॥ उधर्मा सु व महा गन प न य स्वा हा ॥
म ग म ग म ग म ग ॥ ॥ उधर्मा नय क य स्वा हा ॥ ॥ उधर्मा धियय न य स्वा हा ॥ ॥ उधर्मा

॥ मं ॥ अस्व वाय स्वाहा ॥ उं गनपमिपूजि नाय स्वाहा ॥ उं गनस्रवाय स्वाहा ॥ उं गनगधमि
 पूजि नाय स्वाहा ॥ उं कट २ मरु २ द व २ विद व २ ह न २ गृ क २ वा व २ हं ऊ य २ सु
 म् २ मा रु २ टं ह २ द या य २ ध ना दि सि धि म पु य रु ॥ उं नमा बू डा व व ना य स्वाहा ॥
 ॥ उं श्री दू न न विं इ ति कृ वि रु म हा स मा ग रुं मि ॥ महा ह य महा व ल य बा ऊ म
 महा रु स्ति द जि ना य पु रो द दा य स्वाहा ॥ उं नमा मु न महा ग ध य न य स्वाहा ॥

उं ग ग ग म ग ग ग ग ॥ ६ ॥ उं गनय न य स्वाहा ॥ उं गधा धि य न य स्वाहा
 ॥ उं गधय नि पूजि नाय स्वाहा ॥ उं गध स्व वा य स्वाहा ॥ उं गनपमिपूजि नाय
 स्वाहा ॥ उं कू वू २ स्वाहा ॥ उं मू वू २ स्वाहा ॥ उं रु वू २ स्वाहा ॥ उं मू वू २ स्वाहा ॥ वू दं मा
 ने द ग न य नि रु द य ॥ य क वि कू ल पू ज वा कू ल रु हि ना वा ति कू वा ति कू नो वा
 या रु को वा ॥ उ या नि का वा ॥ य क मि कू र्य मा ल रु न मं रु सा ध न वा ॥ मि य न

॥ सं ॥ पूजां वा दंभं न वगमने वा बाहुकूलगमने वा ॥ श्रुतार्थं न वा न प्रवृत्तं न गच्छेत् पूजां
कृत्वा ॥ आर्यमहागन्धनि रुदयं सफ वा बानू वा वयि न चं ॥ सर्वकार्यानि न स्पृशि
ध्याने नात्र संशयः ॥ सर्वकलिकलहं नि मर्दं मलिषूनि मं समन चं सर्वयु समं ॥ १०
हृति ॥ दिनदिनकल्पसमूह्य सर्वसफ वा बानू वा वयि न चं ॥ महासोताग्धः ॥ ग
हविष्यति ॥ बाहुकूलगमनकाले न महायसाश हविष्यति ॥ श्रुति धवा हवि

ष्यति ॥ न वा स कार्यं माहावाधया हविष्यति ॥ न कश्चिद व मा वं युक्ति ॥ ११ ॥ वम
चलष्यं न ॥ रुगावता वं लष्यं न वा स्पृशेता न वा या हविष्यति ॥ समा सो जा मो
जा मि स्म वा हविष्यति ॥ ॥ ॐ दं म वा व न रु ग वा ना न म ना न थं हि रु सा व स
र्व व कि य र्षं स र व मा नू षा स वृ ग वृ द गं ध र्वं धृ त्वा को रु ग व ना सा पि न म न न र्द नि
ति ॥ ॥ ॐ नि आ र्य ग न य नि रु द य ना म धा व नि य वि स मा यं ॥ ॥

॥ वू ॥ कथं म्मादि ॥ ॥ ॐ ॥
प्रविद्धयाये ॥ ॥ सुवम
गवान्मुखवस्त्रधर्मसंगी
वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सुखाय
नारुतथागत आर्यावत्सा

नमो न गवमाश्रय उस्मि
यात्र नमकस्मि नमय
मिमहागु कृष्णसाद न गः ११
मिस्थिना न गवान्मिः ॥ ३ ॥
कि न ह व वा वि स ख महा

सन्धमा संकुयनम् ॥ संनि कूलयुक्ता वा इषि ना न स नाना मा धिप मि यि हि ना
न न त्या युक्ते न वा म धा य हि ना य सुखा य वृ मा सर्व म धा ग ना उ वि प्र वि क या
ना म धा व य का व य उ द स य य र्वा प्र या स्य व वि ल व न मं व का स य न ॥ दि
र्वा युक्ता नाम्ना य नि ॥ मृथ खल्ला र्या वत्सा कि न स्व वा वा धि म त्व उ र्वा य स
ना द का स ध ॥ क मा उ लि प्ता र्वा र्वा न न म न द वा व न ॥ द स य लु र्वा वा

॥ वू ॥ युमिनिमो न यशु च ॥ सर्व न थाग न समया नाधि ह्या नाधि धि न ॥ उं महा मूनि
 २ महा मूनि विमूनि महा विमूनि ॥ मति २ महा मति ॥ सम नि सु मति न थ ना को नि
 य वि सु च विरू न वि सु च ॥ उं कू कू ऊ य २ वि ऊ य २ सा य २ रू व २ रू व य २ स १३
 र्व मू दाना धि ह्या ना धि धि न ॥ उं सू च २ वू च २ व ऊ २ महा व ऊ ॥ व ऊ ग र्त् ऊ य ग ॥ ५ ॥
 र्त् ॥ वि ऊ य ग र्त् व ऊ ह्या ग र्त् ॥ व ऊ ह्वा व ऊ सं व व ऊ व डि नि व ऊ र्त् वं रु म

मवीयं सर्व सत्त्वा नां च का य य धि शु धि र्त् वं रु म म सर्व सत्त्वा सर्व या सर्व ग नि य धि
 शु धि शु म म सर्व न थाग ना चा यि मां म मो ह्या स यं रु ॥ उं वू च २ मि च २ वा य २
 वि वा य २ सा य २ वि सा य २ सा य २ वि सा य २ स मं ना सा य ॥ स मं न
 व स्मि य वि सु च ॥ सर्व न थाग न ह्वा ना स धि ह्या ना धि धि न ॥ उं मू च २ म
 हा मू च २ महा म दामे च य द ह्या हा ॥ वू यं सा कूल पू च सर्व न थाग न उ धि

॥ वू ॥ षवि कयातामध्वनिमहामूर्धुदधुकाविनियविनियविचिंतामयनामति
 लिविनाकुजपवमन्यकुया ॥ काविसेममध्वजहमाधीनसंस्थायामधुन
 मूडावायुजांकुल्लिखदकिधसकृष्टकर्मय ॥ यथासिंहगवान्मूवकसर्वय १४
 मातामलिमिलिधर्मधकुगतं संस्थाप्यसंयुक्तं कृत्वा नाकायुष्यधूपदीपगं ॥ ५ ॥
 धनेवयादिकं सर्वपूजातिपूजयम् ॥ ॐ मां सर्वतथागतं रक्षिष्वि कयाता

मधावन्तीवावयन ॥ श्रीकृत्तुर्वीजनमयेनामध्वमवयन ॥ यं सवेकृत्तुश्रुय
 वमिमायनामध्वविशिष्टविष्णुनि ॥ दानं दानं च सफदिनाय ॥ सफमासायुष्य
 न्यागमिष्ठाभि ॥ सफमासायु सफ वर्षानि जीवन्ति ॥ सफ वर्षायु सफ वत्मानि
 जीवन्ति ॥ ५ ॥ ऊवमायुसंजीवन्ति ॥ पञ्चमायुसंजीवन्ति ॥ संसर्गिमांस्वन्ति ॥
 महाभागपविमूकान् वन्ति ॥ श्रीवायुवर्धसममध्वनविष्णुनि ॥ ॥ ॥

॥ वृ ॥ **र्य उस्त्रिष्वि जया नाम ध**
धर्मा न्यादि ॥ ॥ ॐ न
वदिता वाये ॥ ॥ ॐ न
सितां राय न धा ग का या
नमा आर्या वला कि न स्

च निममाय ॥ ॥ ॐ
मा र ग व न आर्य प न स
मा व न रु या य ॥ न मा श्र १३
इ ह न स म्य कं वृ द्वा य ॥ ॥ १४ ॥
वा यु वा धि स खाय म हा स

वाय ॥ महाका वृ निकाय ॥ न मा म हा स्था न या फा य ४ वा धि स खाय म हा स ख
य महाका वृ निकाय ४ ॥ का म न खा न म स्या मि खं न म स्या नि वा म न ॥ ह ग न
नि धि म वि य न स व दि या म य व सू वा व दि ४ ॥ या नि का नि वि ल या यू य य
न ॥ या नि का नि यि स हा मा या या नि का नि वि द न या ॥ य क वि द न या ये क
वि र य ड वा क वि ॥ इ वा य या मा क वि द वा नि का ह या क वि ड वा ड व क वि

॥ वृ ॥ इवयसर्गाऽयसं वृथाऽयं न ॥ सर्वाणि नि सर्वं तु वापयं न नयति न ॥ न
द न न स न स न स न स न ॥ ऊं ऊं ऊं ऊं ॥ अलिपति न विस्मि न म न पद
॥ म म सर्वे सखा नो व व ऊं कूर्बं तु य वि आ नं कू वृ य वि य कू वृ ॥ य वि पा न
न कू वृ द धु य वि हा नं कू वृ ॥ म सु य वि हा नं कू वृ या व न वि व दू ॥ ख नं कू वृ ॥ ॥ म ॥
श्रु ति य वि कू वृ ॥ इ द क य वि हा नं कू वृ ॥ का ख द द न कू वृ सि मा व य न

कू वृ ध व नि वं ध नं कू वृ ॥ न य थ ॥ ॐ श्रु म न २ श्रु म ना ल व श्रु म न सं ह व
श्रा मा ल श्रा स स्थ ग मा ॥ मा व य २ मा स २ स व स म उ य स म स वं वा धि न य स
म स वा का व म नू नू य म म ॥ सर्वं ग्र ह न नू नू द षा नू य म म नू नू नो वा य म
म र ग व नि य नं स व वि ॥ न न २ वि नू न २ नू न २ नू वृ म खा हा ॥ ॐ लो वि गं ध
वि चो धु वि मा नं गि पू र्क सि सा हा ॥ ॐ नू कू ल कू वृ य नं म र्वा व सा हा ॥ न म ० स

॥ सु ॥ सर्वसद्वत्तां महा ॥ सर्वज्ञां ह
 विष्णुं दिव्यं हा ॥ उं विष्णुं
 विष्णुं दिव्यं हा ॥ ॥ नारायण
 यः ॥ ॥ ऊं चर्मणादि ॥
 हा मां विविधवताये ॥

गद्यनियमविषयसर्वविः
यनसर्वविः ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥
यनसर्वविः नामावनिमम ५५
॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥
॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥

समयह गवान्भवन्नाविहवनिम्न॥ कुरुवनमूनाधिपुष्पावाममह माहिकुस
यनसाधमईदुयादभक्तिरुसने॥ संवेकंलेखमहाअवकवाधिसखमहा मखेनं
खल्लह गवान्हरि कृमासंयुयनं स्त॥ अमिहिकुवासाधिविदवनामासूर्यवदुमख
यूवमाः नगहृति॥ मानदधनं नगहृकं न नवधनं न मूखनं न वधु
न न दधनं न नमू॥ मयगहृति॥ याधिनम्याहृति कृवासाधिविदवनायाताम

॥ शु ॥ जानासि सायिन न दग्ध न नमृ कर्त्त ॥ न निवृत्त न नमृ कर्त्त ॥ न दग्ध न नमृ
 कर्त्त ॥ सायिन न दग्ध न नमृ कर्त्त ॥ सायिन न दग्ध न नमृ कर्त्त ॥ सायिन न दग्ध न नमृ कर्त्त ॥
 न दग्ध न नमृ कर्त्त न वेध न नमृ कर्त्त नमृ कर्त्त न दग्ध न नमृ कर्त्त न दग्ध न नमृ कर्त्त ॥
 सक्तु मय गद नि ॥ ॐ सा नि मं शु य दानि रु वि ध नि ॥ न य धा ॥ उ य धा ॥ ॥ क ॥
 क म सि उ द य न सि व व म सि मृ क म सि मृ क म सि उ म म सि व व म सि

दु म म सि दी व व म सि मृ न धान म सि सा हा ॥ उ म वि वि द व सा या य धा मां
 म य य म क क ल ना मां म य य व क न य न ना मां म य य ह मि रु य ना मां
 म य य वी व न य ना मां म य य मृ नि रु य ना मां म य य उ द क रु य ना मां
 म य य सर्व पु न्य धि क पु न्य मि रु रु य ना मां म य य ॥ मृ क ल व म क ल व मृ ना
 क ल व मृ क ल व मृ मृ रु रु य ना मां म य य ॥ नि रु रु म व रु व य ना मां म य य

६३

वज्र॥ न यथा ॥ ॐ श्री लो मा लो म इ लो म लो मू वि नि वृ १ मां स य वि वा न लो म
य इ स्ता नां ॥ व रु मू ख वे ध वे ध मा हा ॥ वे न व व र्जा वि व लि २ व लो लि व लो रु मू ख
स र्व इ स्ता य इ स्ता नां व रु मू ख ॥ वं ध २ स्ता हा ॥ ॥ आ र्थ मा शि वि ना म धा

वधिसमाय ॥

॥ ऊ धर्माणादि ॥

॥ ओं नमो ह गवय आर्य उह ॥ ५ ॥

मार्तिकाये॥

॥ अथ मया कथं कस्मिन् समये हताशाः ॥ अथ कथं मया

नगर्यमनकदवनामऊऊ
महावगायत्रावादिप्ररुता
निष्ठववाहकेकुहिब्रष्टा
माना॥महावजमत्वमयान
मनविहवमिस्म॥॥अन

गंधर्वाश्च गन्धर्वकान् न
मयवद्वहस्यनिष्ठकम्
विस्तमितज्जादिस्त्रिभुव
काले व्यूहाधिष्ठाता सिंहा
कमाधिसलनमहासत्त्वः

॥ ५ ॥ वर्जमर्तनव॥ नामवाधिसत्वन॥ महासत्वन॥ वज्रधुनवनामवाधिसत्वनम
हासत्वन॥ वज्रसंननवनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ वज्रवाङ्मनवनामवा
धिसत्वनमहासत्वन॥ वज्रवर्गनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ वज्रवि २०
कुर्विननवनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ वज्राधियगिनवनामवाधिसत्वन॥ वि ॥
महासत्वन॥ वज्रालंकूलनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ वज्रविद्वानस

धनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ जगिन्वज्रनवनामवाधिसत्वनमहा
सत्वन॥ यमकुरुनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ श्रार्थावलाकीरखव
नवनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ समंकरुडनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन
न॥ समंतावलाकिनेखनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ लाकडीयानवना
मवाधिसत्वनमहासत्वन॥ यमकुरुनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ यत्न

॥ ग ॥

ककुनचनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ विकसिमवऊनचनामवाधिसत्वन
महासत्वन॥ यमनकुनचनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ यमनकुनचना
मवाधिसत्वनमहासत्वन॥ मञ्जुश्रीयानचनामवाधिसत्वनमहासत्वन
॥ दिपंकनचनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ मेकुनचनामवाधिसत्वन
महासत्वन॥ उवंपमुखे० वाधिसत्वनसंयने समसह० ॥ साई यदिवृमयू

२९

॥ गि ॥

वसुनाकगवानवर्मदसयंनिस्म॥ आदोकल्यानंमध्वकल्यानंयर्थवसोमकः
ल्यानं० ॥ सावर्धस्वयंऊनेकवलंयदिवृमयूयदिवृमयूयर्थवसोमकः
युकोमयमिस्म॥ विनामनिमहाबुहानकावनामधर्मयर्थवसोमकः
धखलवऊयानिवाधिसत्वनमहासत्वन॥ नत्यर्थमधुलमवलाकासनाइयायाव
अधिवाननरुगवन्ममनकसमसहअपुदकिनिहृम्यपुनमयूवनानिष

॥३॥ यमं ॥ मृधखलूकगवान्मृधमृनिनथागन ॥ खरुदयाकवृत्ताविकृदिनमामय
स्मिहलवायंयुहानामृधिविद्यवसयंमिस्म ॥ मृधमृकनादवसर्वगहाआदि
न्यादयाउत्थायमनाकगवन्मृधमृनिनथागन ॥ हंभंमेवमि ॥ दिव्ययूजाहि ॥ २२
यूजयित्वायनंमृमानूकनांजलियूनाहृत्वाकगवन्मृधमृदवाचन ॥ उंमृधमृ ॥ ॥३॥
लायन्यादिन्यायनमस्वाहा ॥ पूर्वदल ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥

[illegible]

॥ ना ॥ अविद्याबाहुसहस्रजः॥ कोटबाहुगल्लोश्वाश्चैर्हयग्रीवादिरिर्वृतः॥ सर्वसत्त्वहि
 नायूक्तः॥ गवानवलाकिः॥ वीजहवनकथीमान्॥ यमगर्हासनसिंहः॥
 सहस्रानयसायूक्तमंगुलवक्रययान्निना॥ धर्मद्विदशेनसुखात्महत्यादवयव
 दिः॥ नञापविष्टमागम्यवज्रपाक्षिर्महावलः॥ यत्रमक्रययायूक्तययुहासा
 वलाकिः॥ नक्षत्राद्यगसिंहप्रिगजवापाम्भंगकन॥ सादभिमिमूनसत्वाः॥ वा ॥

ममसंसारसागवः॥ वक्रसंसारिकेयागे॥ वागद्वयमामये॥ मूचभयननस
 खातभ्रुकुहिसहस्रन॥ ॥ एवंमूकजगन्नाथमश्रीमानवलाकिः॥ उवाच
 मधूवावाधिवज्रपाक्षियवाधिना॥ गृध्रमुष्ककबाहुजुमिमिनात्सनायितः॥ य
 धिक्कनवशात्यन्नामसाहं॥ लाकमानवः॥ महाकबूधयायमाजटाइववक्ष्यावृता
 उदिकादिरुगंकाभायूष्मद्वदनयता॥ सासयंनिनिमातामासदवाः॥ सूचमान

॥ ना ॥ पाठ ॥ कस्य यन्त्रि कथा का आभयं च ऊ वा ऊ सा ॥ नीलाचर कथा दती मा ले २ विनि
 कु व न ॥ जगत्सं च ऊ नार्था य ग्रह मूल्या दि ता ऊ ने ॥ का भा व स मु भं या न ना ना ह
 य स मो कू ल ॥ स च भा द व ना मा नि स खा च ऊ म्प हं स दा ॥ ना च यि ष्या म्प हं स खा २
 ना ना ह य मे हा र्ण वा न ॥ न त ना च नि मां ला क ॥ ग यं नि मू नि यू ग वा ॥ क मो ऊ ॥ ॥ ॥
 लियू ना ह्वा ॥ न र ४ सा द न सा च सा ॥ क लं ति स न वि ऊ हा ॥ वि दं व व न व व

व न ॥ ना मा ह्वा क ग नं कु हिय यू वा की र्ति नं ऊ ने ॥ द ग ह्वा सी ध वे ना ॥ थे वा धि स
 ख मे ह डि के ॥ सर्व पा य ह चं यू ॥ मां ग ल्य कि र्ति व र्द्ध नं ॥ ध न धा य क वं च वे व आ
 ना गं यू ह्वा व र्द्ध नं ॥ आ यू वा ना ग्ध ऊ न नं ॥ सर्व स ख पा य मू ख व हं ॥ ल क्रि षि हा य
 कं च वे व ॥ सर्व स ख वि व र्द्ध नं ॥ मे ति मा लं च स ला नां ॥ न कि र्त्त य म हा मू न ॥ उ व मू
 क र ग वा न ॥ ए ह स न व ला कि न ॥ व व ला च दि ग वां ॥ म ग्ग म्प व ध या द म्प ॥ द

॥ मा ॥ जिह कवमूदम् ॥ यधलज्जामधुनं ॥ तसूवाचमहायाह ॥ साधूसाधूमहाकय ॥
 नानादुनूमहातागसर्वसखेकवत्सव ॥ जानिसंकीर्तिमनूमासस्यकस्यई ॥ गंध
 वा ॥ सर्वसाधिविनिमूकं ॥ सर्वधर्मगुणधिता ॥ अकालमृत्युनिर्दग्ध ॥ चूनायाः ॥ २३
 निमूखवनि ॥ नायकं संयुवजामिदवसंयागृताथम ॥ अनूभादधमनकाहवि ॥ २४
 यधंमूनिवृता ॥ उं लावनमूलावनतावतावाहव ॥ सर्वसत्यानूकंयनिकंपिनि

सर्वसत्त्वकावशिजया ॥ सरुअरुजसरुअगार्थ ॥ उं नमाह गवन भूवलाकय ॥ २५
 सर्वसत्त्वनाथ ॥ रूं रूं रुट् ॥ २६
 विभुर्ध ॥ सगनामज ॥ मेवीहृदय ॥ निर्मल ॥ मममममपिमहायाह ॥ २७
 हृषिक ॥ अयवाजिनामहाबोडी ॥ विश्ववृषीमहावला ॥ ॥ उं म० श्रीम० यथा ॥
 कल्यातनीमहामंजा ॥ लाकधारीमहायसा ॥ सबसनीविमलाजी ॥ यकाशीवृषि

॥ ता ॥ वई नी ॥ उं धृमि दायू द्रि दायू हा ॥ उं का वा का म वू धि नी ॥ सर्व सख हि ना यू का ॥ स्य
 मा का वही ऊ या ॥ पु ला पा व मि ना य वी ॥ आ र्य ना वा म ना व मा ॥ ई द रि सं खि नि
 यू र्ण ॥ वि या बा र्हि यी यं व द ॥ वं डा न ना म हा ॥ गो बी ॥ अ जि ना र्था न वा स या ॥ महा मा ॥ १०
 या म हा ॥ श्व ना म हा व ल य वा क म ॥ महा बो डी म हा व धु ॥ इ ह स ख नि सं द नि ॥ पु ॥ ॥ वा ॥
 हां ना म भ बू या श्व वि ऊ या क ल न प हा ॥ वि धू मा लि व जी ख जी ॥ व जी वा पा य ना ॥

यू ध ॥ उं ह नी सं ह नी का ली ॥ का ल वा जी नि गा व नी ॥ व ऊ धि मा ह नि ग्ग भा ॥ का भा
 व डा मि दि गु हा ॥ वा क्क धी व द मा ना व गु क्क वा कु क्क वा मि नी ॥ मां ग ल्पा मा क वी सो
 मा ॥ जा न व द म ना ऊ वा ॥ का पा लि नी म हा व ग ॥ सं धा स र्पा य वा डि ना ॥ सो र्थ वा रु
 क्क या द द्रि न ह मा र्ग पु द र्मि नी ॥ व व द मा सि नी सा मु ॥ मु वू या मि न वि क मा ॥ म
 व वी या मि नी सि धा ॥ व धु ली वा मृ ना कु व ॥ ध न्या यू धा म हा हा ग ॥ मु ह म वि य द

॥ १ ॥ सा गृह ना भवति नीही मा उग्र उग्र महानया ॥ जगदे कहि ना युको ॥ सव भात
 कि वस्तु बा ॥ वागीश्वरी सिवासु क्रान्ति त्या सर्व सु साधिका ॥ सर्वाथ साधनिरुडा ॥
 गायिका विषय नंददा ॥ मृत्या गो न मीयाका ॥ याम लोक श्रवण मजा ॥ नावा नाम २८
 गुण नंदा ॥ सर्वा साधनिय वधी ॥ ॥ ओं नाव कृपालं वन मे न्यात्मक श्रवणाय स्वा ॥ यो ॥
 हा ॥ ॥ नामाष्टारु वधन कं ॥ कीर्ति नं हि न कामया ॥ बहस्य मनु सं गु सं ॥

दवानामपि दत्तं ॥ सा साधना गक वधं ॥ सर्व कि लिखना सनं ॥ सर्वथा विषम
 मन सर्व सत्त्व सुख वरु ॥ त्रिकालयत्य ॥ १० धीमान शु विज्ञान समाहि न ॥ म
 विषय नैव कालेन प्राप्ति यीयामवा प्रया ॥ इह खी न स्या सुखी नित्यं ॥ द विद्या ध
 न वा न वरु ॥ जया रु वस्तु महाया रु ॥ मधवी वन संग य ॥ वंध ना सु ग न वधा
 यव हा न जं यो रु वरु ॥ म सु वा मि न ना या मि ॥ गृं गी न श्र वि द रु न ॥ सं य

॥ ला ॥ ॐ ह्रियलाकं नमः ॥ १२ ॥ ॐ मः ॥ १३ ॥ ॐ उनामनालाकं नमः ॥ १४ ॥ ॐ विद्यामिलाकं नमः ॥
१५ ॥ ॐ सामनालाकं नमः ॥ १६ ॥ ॐ विभामनालाकं नमः ॥ १७ ॥ ॐ लानभानुलाकं नमः ॥ १८ ॥ ॐ मकभानुलाकं नमः ॥ १९ ॥ ॐ वरभानुलाकं नमः ॥ २० ॥ ॐ धर्मभानु

लाकं नमः ॥ २१ ॥ ॐ निरंभलाकं नमः ॥ २२ ॥ ॐ विभं
रुनलाकं नमः ॥ २३ ॥ ॐ गुलाकं नमः ॥ २४ ॥
ॐ मिलाकं नमः ॥ २५ ॥ ॐ महादेवलाकं नमः
॥ २६ ॥ ॐ सिंहनाथलाकं नमः ॥ २७ ॥ ॐ हलाहललाकं
नमः ॥ २८ ॥ ॐ मरुजलाकं नमः ॥ २९ ॥ ॐ मरुज

॥ लो ॥ १० ॥ ॥ ओं धर्मक वलाक भव वायनमः ॥ ११ ॥ ॥ ओं धर्म
वडलाक भव वायनमः ॥ १२ ॥ ॥ ओं श्रीं हूँ कलाक भव वायनमः ॥ १३ ॥ ॥ ओं श्रीं
सनां गलाक भव वायनमः ॥ १४ ॥ ॥ ओं श्रीं सादि देवलाक भव वायनमः ॥ १५ ॥ ॥ १६
॥ ॥ ओं श्रीं साध्यामलाक भव वायनमः ॥ १७ ॥ ॥ ओं श्रीं मयडलाक भव वायनमः ॥ १८ ॥ ॥ १९
॥ ॥ ओं श्रीं वडलाक भव वायनमः ॥ २० ॥ ॥ ओं श्रीं लंमदिलाक भव वाय

नमः ॥ २१ ॥ ॥ ओं श्रीं विद्याकुलाक भव वायनमः ॥ २२ ॥ ॥ ओं श्रीं वडलाक भव
वायनमः ॥ २३ ॥ ॥ ओं श्रीं लं कलाक भव वायनमः ॥ २४ ॥ ॥ ओं श्रीं मयडलाक
भव वायनमः ॥ २५ ॥ ॥ ओं श्रीं यं नलाक भव वायनमः ॥ २६ ॥ ॥ ओं श्रीं कला
थलाक भव वायनमः ॥ २७ ॥ ॥ ओं श्रीं मयडलाक भव वायनमः ॥ २८ ॥ ॥
॥ ओं श्रीं वडलाक भव वायनमः ॥ २९ ॥ ॥ ओं श्रीं लं कलाक भव वाय

॥ ला ॥ यनमः॥ ४८ ॥ ओं नीलकण्ठलोकध्वजयनमः॥ ४९ ॥ ओं मायाजाललाक
ध्वजयनमः॥ ५० ॥ ओं धवजिलालकध्वजयनमः॥ ५१ ॥ ओं धर्मसैखण
लालकध्वजयनमः॥ ५२ ॥ ओं मूरयंकवलालकध्वजयनमः॥ ५३ ॥ ओं
नीलध्वजयनमलालकध्वजयनमः॥ ५४ ॥ ओं वल्लभाशीलालकध्वजयनमः॥ ५५ ॥ ओं धूमनिदमलालकध्वजयनमः॥ ५६ ॥ ओं युक्तमिलालकध्वजयनमः॥

३३

॥ क ॥

यनमः॥ ५७ ॥ ओं गंधविलालकध्वजयनमः॥ ५८ ॥ ओं कवशावः
लालकध्वजयनमः॥ ५९ ॥ ओं विबंदिलालकध्वजयनमः॥ ६० ॥
ओं मारुतलालकध्वजयनमः॥ ६१ ॥ ओं कान्तिनोदलालकध्वजयन
मः॥ ६२ ॥ ओं आगंतलालकध्वजयनमः॥ ६३ ॥ ओं वरुणलालकध्व
जयनमः॥ ६४ ॥ ओं सूर्यवतलालकध्वजयनमः॥ ६५ ॥ ओं गगनग

॥ ला ॥ लाकं ध्याय नमः ॥ ३३ ॥ ॐ आनय लाकं ध्याय नमः ॥ ३४ ॥ ॐ आनय
निलाकं ध्याय नमः ॥ ३५ ॥ ॐ आनय नीलाकं ध्याय नमः ॥ ३६ ॥
ॐ सिंह मूषि लाकं ध्याय नमः ॥ १० ॥ ॐ विक्कि मि न लाकं ध्याय नमः ॥ ३४
११ ॥ ॐ स न व दाय क लाकं ध्याय नमः ॥ १२ ॥ ॐ श्री विधी स्वध न ला ॥ क ॥
कं ध्याय नमः ॥ १३ ॥ ॐ च त्र वि सि लाकं ध्याय नमः ॥ १४ ॥

ॐ स न द ग लाकं ध्याय नमः ॥ १५ ॥ ॐ क म न लाकं ध्याय नमः ॥
१६ ॥ ॐ गु क गु क लाकं ध्याय नमः ॥ १७ ॥ ॐ आ का स ग र्ग लाकं ध्याय
नमः ॥ १८ ॥ ॐ म य व नी लाकं ध्याय नमः ॥ १९ ॥ ॐ अनि दि
क लाकं ध्याय नमः ॥ ८० ॥ ॐ श्री ग व ह स लाकं ध्याय नमः ॥ ८१ ॥
ॐ सर्व नी वर्ण विष्कं नी लाकं ध्याय नमः ॥ ८२ ॥ ॐ ह र य लाकं ध्याय

॥ ला ॥ यनमः ॥ ८३ ॥ ॐ मागवमालाकं ध्यायनमः ॥ ८४ ॥ ॐ सगुपलाकं
 ध्यायनमः ॥ ८५ ॥ ॐ बल्लहामालाकं ध्यायनमः ॥ ८६ ॥ ॐ सखनीवि
 कलाकं ध्यायनमः ॥ ८७ ॥ ॐ हयमालाकं ध्यायनमः ॥ ८८ ॥ ॐ ३५
 बलाहमुखलाकं ध्यायनमः ॥ ८९ ॥ ॐ ददिविग्धबाललाकं ध्यायन ॥ क
 ९० ॥ ॐ सफमुखलाकं ध्यायनमः ॥ ९१ ॥ ॐ महाप्रसंगीबालाकं ध्या

यनमः ॥ ९२ ॥ ॐ मलविधलाकं ध्यायनमः ॥ ९३ ॥ ॐ धर्मविधलाकं
 ध्यायनमः ॥ ९४ ॥ ॐ यमालकाललाकं ध्यायनमः ॥ ९५ ॥ ॐ ककुपि
 यलाकं ध्यायनमः ॥ ९६ ॥ ॐ वधवीबलाकं ध्यायनमः ॥ ९७ ॥ ॐ ब
 कमुखलाकं ध्यायनमः ॥ ९८ ॥ ॐ धर्मवदलाकं ध्यायनमः ॥ ९९ ॥
 ॐ दंदिललाकं ध्यायनमः ॥ १०० ॥ ॐ निखियेशुलाकं ध्यायनमः ॥ १०१ ॥

॥ ली ॥ ॐ ह्रीं नीलाकं ऋदाय नमः ॥ १०२ ॥ ॐ सर्वल्लिललाकं ऋदाय नमः ॥ १०३ ॥
॥ ॐ ह्रीं जोगकयविलाकं ऋदाय नमः ॥ १०४ ॥ ॐ तिम्रनाथलाकं ऋदाय नमः
॥ १०५ ॥ ॐ आदिबृहलाकं ऋदाय नमः ॥ १०६ ॥ ॐ वज्रसमुलाकं ऋदाय
नमः ॥ १०७ ॥ ॐ तानरुंगिलाकं ऋदाय नमः ॥ १०८ ॥ ॐ किंशुक्र्या ॥ क
विलादि ॥ ॐ अक्षयवामसंस्कारवृद्धाधिकं समाप्य ॥ ॥ ह्रीं धर्म्यादि ॥